Girls High School & College , Prayagraj
Worksheet No. 1

Session 2020-2021

Class VII (A, B, C, D, E, F)

Subject :- Hindi Literature

निर्देश – अभिभावकों से निवेदन है कि दी गई पंक्तियों को ध्यान पूर्वक पढ़कर कठिन शब्दों को समझने और पूछे गये प्रश्नों का उत्तर लिखने में छात्राओं की सहायता करे ।

पाठ – "सत्कर्तव्य"

प्रस्तुत कविता की पंक्तिया 'सत्कर्तव्य' नामक पाठ से ली गयी है । इसके रचयिता 'श्री राम नरेश त्रिपाठी' है । इस कविता में कवि ने यह बताया है कि प्रकृति में प्रत्येक प्राणी चाहे वह जड़ हो या चेतन अपने –अपने कर्म में रत (लगा हुआ) है मनुष्य जो इस प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ रचना है, अपने सत्कर्तव्यों को पहचान कर उसी के अनुरूप आचरण करे ।

1 जग में सचर – अचर जितने हैं , सारे कर्म निरत है ।

धुन है एक – न – एक सभी को , सबके निश्चय व्रत है ।।

अर्थ – इस संसार में जितने भी जड़ – चेतन प्राणी है वे सब अपने अपने कर्म (कार्य) में लगे है। सभी में किसी न किसी एक कार्य को करने की लगन व संकल्प है । वे सभी अपने स्वकर्म को पूर्ण करने में निरंतर संलग्न है ।

2 जीवन भर आतप सह वसुधा पर छाया करता है ।

तुच्छ पत्र की भी स्वकर्म में कैसी तत्परता है ।।

अर्थ – जीवन भर धूप सह कर वृक्ष धरती को छाया प्रदान करते है । पेड़ो की छोटी – छोटी पत्तियां भी अपने कर्म में तत्पर रहती है । शाखा से एक पत्र टूट कर गिरता है तो नवीन पत्र वृक्ष को पुनः हरा भरा कर देती है ।

3 रवि जग में शोभा सरसाता , सोम सुधा बरसाता ।

सब है लगे कर्म में , कोई निष्क्रिय दृष्टि न आता ।।

अर्थ – सूर्य प्रतिदिन उदय होकर अपनी उर्जा प्रदान कर संसार को सुन्दरता को प्रदान करता है तथा चन्द्रमा अपनी अमृत रूपी चांदनी की वर्षा करता है । कवि कहते है कि संसार में सभी प्राणी किसी न किसी अपने निश्चित कर्म में लगे हुए है। जिससे कोई भी निष्क्रिय दिखाई नही देता है ।

4 है उद्देश्य नितांत तुच्छ तृण के भी लघु जीवन का ।

उसी पूर्ति में वह करता है अंत कर्ममय तन का ।।

अर्थ – एकदम छोटे से तिनके का भी जीवन उद्देश्य पूर्ण है । वह अपने कर्तव्य को पूरा करने में स्वयं को समर्पित कर देता है ।

5 तुम मनुष्य हो , अमित बुद्धि – बल – विलसित जन्म तुम्हारा ।

क्या उद्देश्य रहित हो जग में , तुमने कभी विचारा ?

अर्थ – हे मानव तुम्हें अत्यंत बल , बुद्धि तथा वैभव पूर्ण जीवन प्राप्त हुआ है । क्या तुमने कभी विचार किया है कि तुम्हारे इस मानव जीवन का क्या उद्देश्य है ?

शब्दार्थ :-

1) सचर – गतिमान

2) अचर – गतिहीन

3) आतप – धूप

4) तुच्छ – छोटा

5) निष्क्रिय – क्रियारहित

6) तृण - तिनका

7) अमित – अत्यधिक

8) विलसित – वैभव युक्त

प्रश्न 1 – 'सत्कर्तव्य' नामक कविता के कवि का नाम लिखिए ?

प्रश्न 2 – कर्म में कौन – कौन लगे हुए है ?

प्रश्न 3 – इस संसार में सूर्य और चंद्रमा अपनी किस भूमिका का निर्वाह करते है ?

प्रश्न 4 – कवि मनुष्य से कौन - सा प्रश्न पूछ रहा है ?

प्रश्न 5 – 'सुधा' शब्द के तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए ?

प्रश्न 6 – निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए ।

1). तुच्छ पत्र की किसमें तत्परता है ?

1. भोजन ग्रहण करने में
2. अपने कर्म में
3. वायु में
4. शोभा बढ़ाने में

2). जग में शोभा कौन सरसाता है ?

1. रवि
2. कमल
3. मोर
4. तोता

3). असीम बुद्धि बल किसे प्राप्त है ?

1. हाथी
2. शूरवीर को
3. मनुष्य को
4. सिंह को

THE END